असम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सोनबिल उत्सव 2024 में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का सम्बोधन

दिनाक 24 फरवरी 2024, शनिवार	**समय : 11.00 AM**	**स्थान : देवोद्वार, सोनबिल**

- सांसद श्री कृपानाथ मल्लाह जी,
- डोनर मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री अंग्शुमन डे जी,
- असम विश्वविद्यालय के कुलपति
  प्रो. राजीव मोहन पंत जी,
- रजिस्ट्रार डॉ. प्रदोष किरण नाथ जी,
- सोनबिल उत्सव-2024 के निदेशक
  प्रो. मानवेंद्र दत्ता चौधरी जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण,
- उत्सव में आए आमजन,
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

असम की सबसे बड़ी आर्द्रभूमि सोन बील में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। यहां इस अनोखे सोन बील उत्सव का उद्घाटन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं असम विश्वविद्यालय को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। साथ ही उत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे यह सोचकर ही गर्व की अनुभूति हो रही है कि आज मुझे ऐसी अद्भुत जगह पर आने का सुअवसर प्राप्त हुआ, जिसे प्रकृति ने बड़ा ही सुंदर और रोचक बनाया है। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि सोन बील के नाम से प्रसिद्ध यह झील सर्दियों के दौरान मार्च तक चावल की खेती के लिए भूमि बन जाती है और सर्दियों के बाद यह भूमि पानी से भर जाती है और सुंदर झील बन जाती है।

मैं समझता हूं कि यह प्रकृति द्वारा मानव समाज को दिया हुआ अनोखा उपहार है। इसलिए यह ऋणि मानव समाज की जिम्मेदारी है कि वह इस अद्भुत झील का संरक्षण करें ताकि इसकी महीमा सदियों तक बरकरार रहे।

मुझे खुशी है कि केंद्र और राज्य सरकार के साथ-साथ स्थानीय लोग इस अनोखे झील के संरक्षण तथा क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए जागरूक है। मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि इस दो दिवसीय सोन बील उत्सव का आयोजन असम विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर पूर्व परिषद, शिलांग की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है। मैं इसके लिए उत्तर पूर्व परिषद और असम विश्वविद्यालय को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

संभवतः यह पहला अवसर है, जब हमारे देश के किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने क्षेत्र के लोगों के विकास ऐसी उत्कृष्ट योजना बनाई है। यह एक सन्देश है कि हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों को विशाल इमारतों तक ही ख़ुद को सीमित नहीं रखना चाहिए और मात्र बड़ी-बड़ी डिग्रियाँ देने में ही व्यस्त नहीं रहना चाहिए।

उच्च शिक्षण संस्थानों, उच्चतर शिक्षा विभागों को सामाजिक सरोकारों के बारे में भी विशेष रूप से सचेत रहना चाहिए। यह भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अपेक्षाओं के अनुरूप भी है।

मित्रों,

एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील सोन बील को देखकर इसकी विशाल पर्यटन क्षमता का आभास होता है। हरियाली से घिरा यह झील में पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। इस विशाल जलाशय को आधुनिक तकनीकों और उपकरणों की मदद से संरक्षित करने की आवश्यकता है ताकि क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

हम जानते हैं कि भूजल-स्तर को लेकर अब पूरी दुनिया चिंतित है। यदि यहाँ सोन बील में पानी का संचयन किया जाता है तो इससे निश्चित रूप से आस-पास की भूमि का जल स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी और एकत्रित पानी का उपयोग लघु जल-विद्युत उत्पादन, जल आधारित खेल और कई अन्य उपयोगी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

हम सभी जानते हैं कि किसी भी स्थान पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सड़क संपर्क और सुरक्षा उपाय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि राष्ट्रीय राजमार्गों से सोनबील को जोड़ने वाली सड़कों में सुधार किया जाए।

जैसा कि बताया जाता है कि सर्दियों के बाद इस झील में पानी भर जाता है। मुझे यह जानकार खुशी हुई कि इस दौरान स्थानीय लोगों द्वारा मछली पालन किया जाता है और यह दक्षिण असम के पूरे जिले में मछली के मुख्य उत्पादाकों में से एक है। मैं समझता हूं कि मछली पालन से जुड़े लोगों को और प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए, जिससे कि यह केवल दक्षिण असम का ही नहीं, बल्कि पूरे असम में मछली उत्पादन का मुख्य केंद्र बन सके।

मुझे बताया गया है कि इस दो दिवसीय उत्सव के दौरान विभिन्न पारंपरिक समूहों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ इसके दो शैक्षणिक सत्र भी आयोजित होंगे, जिसमें सोन बील के इतिहास, संस्कृति और पर्यटन की संभावना पर चर्चा की जाएगी। आशा है कि इसमें सार्थक चर्चा से क्षेत्र के लोगों के आर्थिक-सामाजिक विकास तथा पर्यटन को बढ़ावा देने में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए नए विचार एवं सुझाव प्राप्त होंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इससे आम नागरिकों के साथ-साथ क्षेत्र का विकास होगा और सोन बील देश भर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल होगा और यह झील देश के पर्यटन-मानचित्र में अपना विशेष स्थान प्राप्त कर सकेगा ।

मेरी कामना है कि यह उत्सव संबंधित क्षेत्र के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए गेम चेंजर साबित हो और यह उत्सव अपने वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल हो।

पुनः सोन बिल उत्सव की सफलता के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।